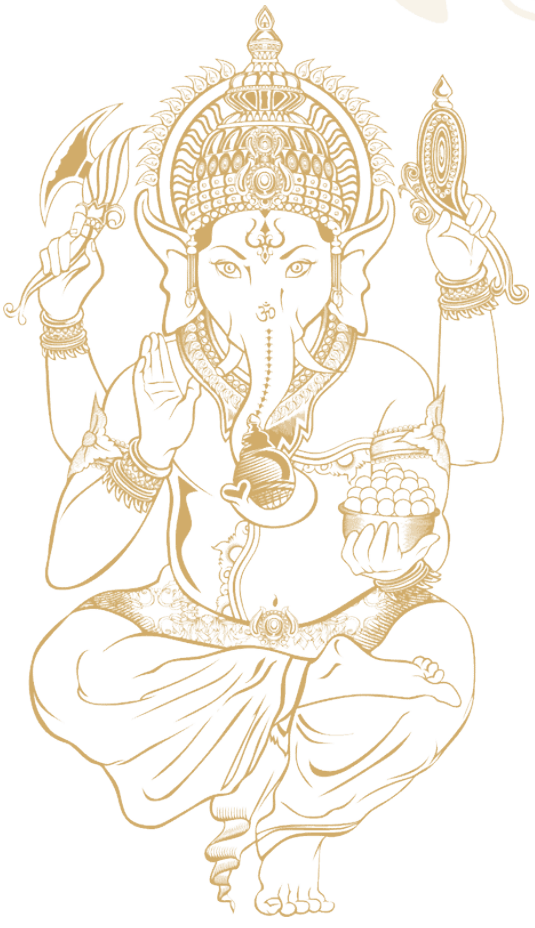

Jhalak

Jahanvi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121093913

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/08/1999	जन्म तिथि	26-27/08/2005
सोमवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 16:19:00	जन्म समय	00:35:06 घंटे
घटी 25:52:50	जन्म समय(घटी)	46:10:14 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:51	सूर्योदय	06:07:00
19:07:38	सूर्यास्त	18:48:57
23:50:53	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:06

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 0वर्ष 5मा 2दि		04:35:23	धनु	लग्न	वृष	24:34:09	चन्द्र 8वर्ष 10मा 7दि	
शुक्र		15:52:07	कर्क	सूर्य	सिंह	09:41:40	राहु	
04/01/2024		16:22:08	मीन	चंद्र	वृष	11:31:39	04/07/2021	
04/01/2044		18:14:27	तुला	मंगल	मेष	21:07:28	05/07/2039	
शुक्र	06/05/2027	05:25:51	कर्क व	बुध	कर्क	21:42:47	राहु	16/03/2024
सूर्य	05/05/2028	10:18:19	मेष	गुरु	कन्या	23:36:23	गुरु	10/08/2026
चन्द्र	04/01/2030	11:03:31	सिंह व	शुक्र	कन्या	17:29:35	शनि	16/06/2029
मंगल	06/03/2031	22:40:05	मेष	शनि	कर्क	11:17:01	बुध	03/01/2032
राहु	06/03/2034	19:06:13	कर्क	राहु	मीन	20:33:03	केतु	21/01/2033
गुरु	04/11/2036	19:06:13	मक	केतु	कन्या	20:33:03	शुक्र	22/01/2036
शनि	04/01/2040	21:10:49	मक व	हर्ष व	कुंभ	15:03:39	सूर्य	15/12/2036
बुध	04/11/2042	08:56:13	मक व	नेप व	मक	21:47:06	चन्द्र	16/06/2038
केतु	04/01/2044	13:57:52	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	27:54:04	मंगल	05/07/2039

लग्न-चलित

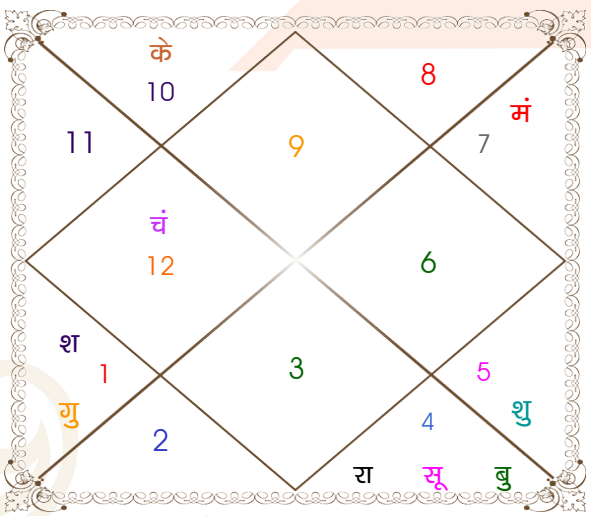

लग्न-चलित

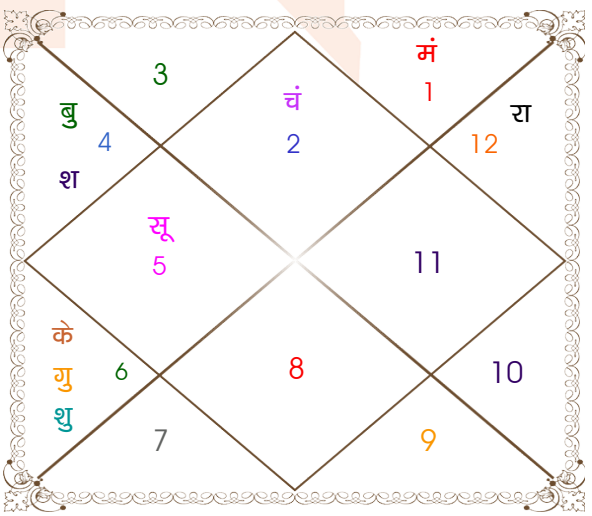

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Jhalak का वर्ग सिंह है तथा Jahanvi का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jhalak और Jahanvi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Jhalak मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Jahanvi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Jahanvi कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jahanvi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jhalak कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jhalak तथा Jahanvi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।